महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था)
वेदविद्या मार्ग, चिंतामण गणेश, पोस्ट जवासिया, उज्जैन –456006 (म.प्र.)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan

(An autonomous organisation under Ministry of Education, Govt. of India)
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN- 456006 (M.P.)

पत्र सं. 23-2/2020(प्र.वि.)/मसारावेविप्र/

दिनांक 18-01-2023

कार्यालय आदेश 1207

जनहित में सभी को सूचित किया जाता है कि श्री सुदिप्तो डे, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) ने सुझाव दिया है कि - तनावपूर्ण अध्ययन और तनावपूर्ण काम के कारण अधिकांश छात्र और व्यक्ति आंखों की समस्याओं से पीड़ित हैं, ऐसे में अगर नियमित रूप से प्राचीन मंत्र का जाप किया जाए तो आंखों की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

आपकी जानकारी हेतु मंत्र {ऋग्वेदः १०.१५८.१-५} इस प्रकार है :-

सूर्यो नो दिवस्पातु वातो अन्तरिक्षात् ।
अग्निर्नः पार्थिवेभ्यः ॥१॥
जोषा सवितर्यस्य ते हरः शतं सवाँ अर्हति ।
पाहि नो दिद्युतः पतन्त्याः ॥२॥
चक्षुर्नो देवः सविता चक्षुर्न उत पर्वतः ।
चक्षुर्धाता दधातु नः ॥३॥
चक्षुर्नो धेहि चक्षुषे चक्षुर्विख्यै तनूभ्यः ।
सं चेदं वि च पश्येम ॥४॥
सुसंदृशं त्वा वयं प्रति पश्येम सूर्य ।
वि पश्येम नृचक्षसः ॥५॥

चक्षुदोष निवारण हेतु उक्त मंत्र का जाप नियमित रूप से करें अथवा नियमित रूप से मंत्र सुनें। प. उदय वैद्य द्वारा मंत्र पाठ (audio) वेबसाईट पर उपलब्ध है।

(प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल)
सचिव

प्रतिलिपि :- प्रतिष्ठान की वेबसाईट पर प्रकाशनार्थ।